किंग
कॉमिक्स
मूल्य 7.00 संख्या 3

ब्लाइंड डैथ

ALFA INVESTMENT
Uploaded for RCJ Community
Udaram Chowk Purani Abadi
GANGANAGAR-335
1260

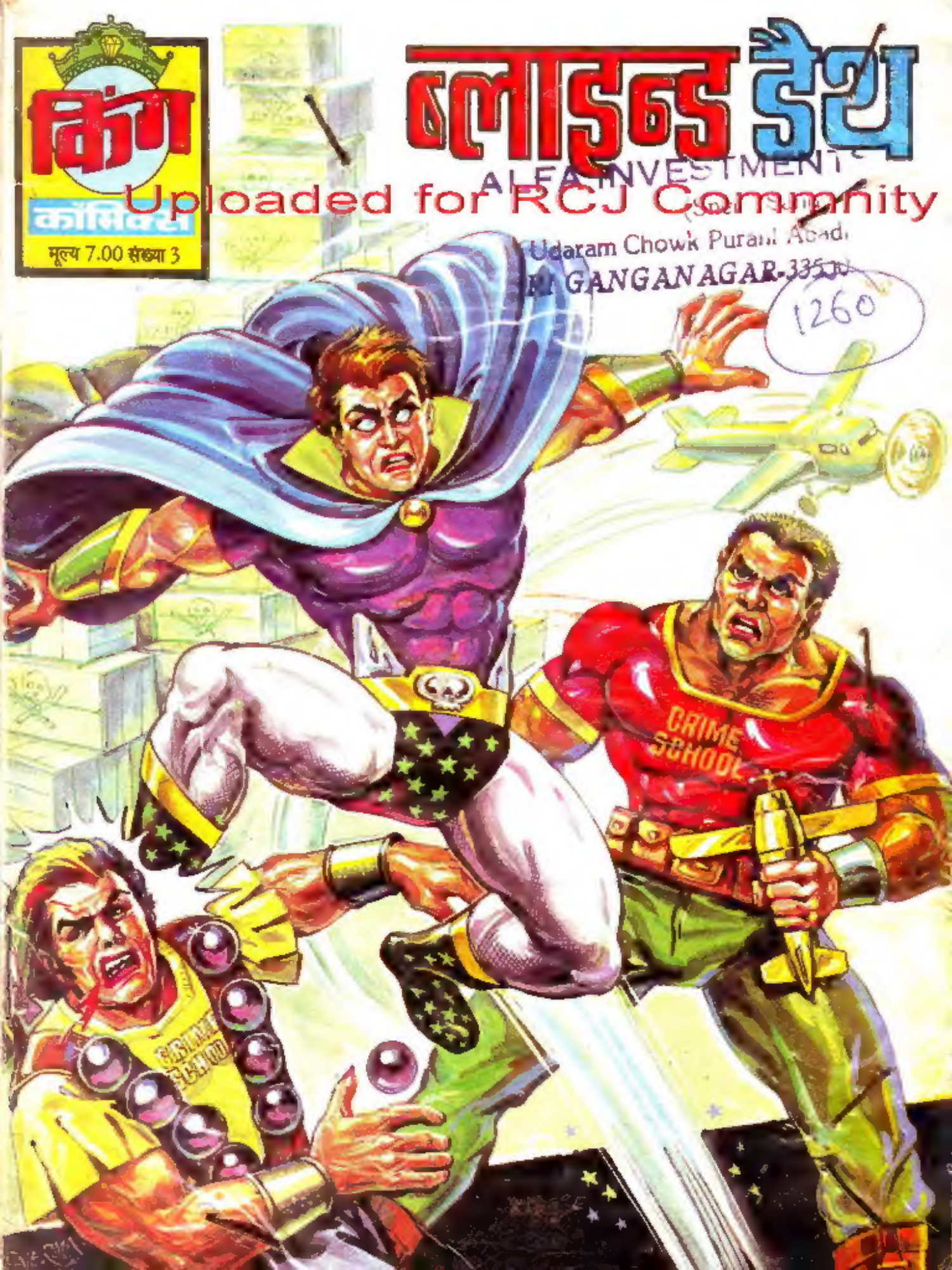

अलार्मिंग डैथ

सम्पादन. विवेक मोहन. लेखक. नाजरा खान. चित्रांकन. दिलीप चौबे.

इस निर्माणाधीन इमारत की छत पर मौजूद यह मासूम...।

नहीं जानता था कि वह पतंग से नहीं ...

... मौत से खेल रहा है -

वो कटा।

-1260-

पता ही नहीं चला उस मासूम को कि कब उसके पांव... के नीचे से "छत" खिसक गई ...

... और कब वह मौत के रास्ते पर चल पड़ा -

आऽऽऽ

नीचे गिरकर खील - खील हो जाना था उसके शरीर को -

Ankur's UPload

लेकिन हुआ कुछ और ही -

धड़

ज़िन्दगी और मौत के बीच झूलकर रह गई वह मासूम ज़िन्दगी -

मौत के भय ने चीखने के लिए मजबूर कर ही डाला उसे -

OOZ

बचाओ बचाओ

ऐसे सुनसान में भला कौन था उसकी चीख़ सुनने वाला -

या शायद कोई था ?

बचाओ

बचाओ

कोई बच्चा मुसीबत में है, और मेरे सुनने की शक्ति बता रही है कि वह इस समय ज़मीन से चालीस फुट ऊपर है...

बचाओ

बचाओ

If U like This Comics plz Buy it

महसूस किया उसने कुछ -

हवा की गति में आई रुकावट से पता चलता है कि सामने कोई बड़ी ऊंची इमारत है...

बचाओ

बचाओ !!

इसका... मतलब बच्चा सामने वाली इमारत से लटका हुआ है...

...उसे बचाना होगा...

और इसके लिए मुझे अपनी बैट सेन्स...

...का इस्तेमाल करके ढूंढनी होगी ऊपर जाने वाली सीढ़ियां।

BAT SENSE - चमगादड़ प्रकृति -

BAT SENSE के जरिये सीढ़ियों को पा लेना मुश्किल नहीं था उसके लिए..

वह रही सीढ़ियां।

बचाओ बचाओ

और ना ही मुश्किल था उन सीढ़ियों पर ऊपर से आती आवाज के पीछे "दौड़" लगाना -

बचाओ बचाओ

इस काम में वह ले रहा था अपनी घड़ी का सहारा -

लेकिन हर सहारे के बावजूद भी रास्ते में अड़चन आ जाये तो कोई क्या करे -

बचाओ ऽऽ
बचाओऽऽ

34%

कई सीढ़ियों नीचे लुढ़कता चला गया वह -

लेकिन जल्द ही सम्भल कर फिर भाग खड़ा हुआ -

बचाओ

इधर रस्सी उतार थी अपने शिकंजे में फंसी उस मासूम जिन्दगी को मौत में बदल देने के लिए -

DOZ

उधर उस मंजिल पर कदम रखा उस शरूस ने -

आखिर में बच्चे तक आ ही पहुंचा।

बचाओऽऽ

इधर बेदर्दी की सभी सीमाओं को तोड़कर टूट गई रस्सी -

धड़ाम

आ हऽऽऽ

चेहरे पर दहशत नजर आने लगी उस शख्स के -

बच्चे की आवाज तेजी से नीचे की तरफ जा रही है। इसका मतलब नीचे गिर रहा है बच्चा।

लेकिन मैं उसे हरगिज नीचे नहीं गिरने दूंगा।

अगले ही क्षण उस शख्स ने जो हरकत की वह कोई जांबाज ही कर सकता था -

हवा में ही लपक लिया उसने मौत के सफर पर जाते उस मासूम को -

अब बच्चे के साथ खुद को बचाने की समस्या को हल करेगी पांच फुट नीचे स्थित वह हाईटेंशन वायर जिसमें दौड़ते करण्ट की आवाज ने मुझे उसकी उपस्थिती का अहसास कराया है।

तार पर पांव पड़ा-और -

..फिर उछला..

शुक्र है भगवान का हम सुरक्षित हैं।

उस युवक के इस कारनामे को देखकर गहरी मुस्कान नृत्य कर उठी थी किसी के होठों पर-

अन्धा होते हुए भी उसने वह कर दिखाया जो एक आखों वाला नहीं कर सकता था।

स्टेट बैंक आफ होनोलूलू के सामने चरमरा उठे उस स्पेशल कार के ब्रेक -

STATE BANK OF HONOLULU

CRIME SCHOOL

स्टेट बैंक आफ होनोलूलू ही था आज उन लोगों का शिकार जो थे -

क्राइम स्टूडेण्ट्स।

CRIME SCHOOL

गन सम्भाल राम मरोसे गोली चला।

गनें तो सभी ने सम्भाली -

मगर गोली कोई बेचारा नहीं चला पाया -

क्योंकि उससे पहले चला...

जहाज़ का जहाज...

और गोलियों के गोले -

इस स्थिती की कल्पना तो वे तब करते जब जिन्दा रह पाते -

आई!

धड़ाम

धड़ाम

126

बैंक के अन्दर खड़े लोगों ने भी देखा जहाज़ के जहाज का कमाल -

बैंक के अन्दर जाने से अब कोई रोकने वाला नहीं था उन्हें -

BANK

CRIME SCHOOL

आई!

धड़ाम

बैंक में घुसने के लिये "मरघट" से सन्नाटे को तोड़ा गोलियों की कड़कती आवाज ने -

CASH

हम क्राइम स्टूडेण्ट्स बैंक लूटने आये हैं, जो भी हमारे रास्ते में आया वह सीधा शमशान जायेगा।

CRIME SCHOOL

किसका ढाई किलो का जिगरा था जो उनके रास्ते में आता-

जाओ बैंक के स्ट्रांग रूम को "साफ" करो।

ठीक है।

CRIME SCHOOL

बड़े इत्मीनान से क्राईम स्टूडेण्टों ने स्ट्रांग रूम की सफाई की-

CRIME SCHOOL

फिर.-

चलो!

CRIME SCHOOL

चल पड़े सभी बाहर-

जहां उनका स्वागत किया पुलिसने -

पुलिस।

CRIME SCHOOL

रुक जाओ।

क्राइम स्टूडेण्ट्स आज तुममें से कोई बचकर नहीं जायेगा।

क्या कर पायेंगे ये पुलिस वाले मेरे गोलों के सामने।

बहुत ही घातक सिद्ध हुये गोलियो के गोले -

धड़ाम

और जहाज् का जहाज साबित हुआ बहुत ही भयानक -

धड़ाम

Ankur's UPload

और - पुकारे का बाजार गर्म कर डाला उन दोनों ने -

आईऽऽऽ

ध ध ध

कुछ देर बाद -

अब चलना चाहिए यहां से।

मैं अभी इन्तजाम करता हूं चलने का

अगले ही पल - धुएं का तूफान सा आ गया वहां -

धड़ाम

"अन्धे" से हो गये सभी -

ऐसे में कोई नहीं देख सका इस स्पेशल कार को वहां से रवाना होते हुये -

CRIME SCHOOL

और जब धुआ छटा तो -

कहा गये क्राइम स्टूडेण्टस ?

उड़न धू हो गये वे तो .

उफ। आतंक का दूसरा नाम बन गये है क्राइम स्टूडेण्टस, हम कभी इन्हें पकड़ भी पायेंगे या नहीं ?

हाथ मलते रहने के सिवा कोई कुछ ना कर सका -

इधर शहर से बाहर स्थित इस फार्म हाउस मे -

मुझे उम्मीद नही थी कि तुम अपनी ज्ञानेन्द्रिय शक्तियो को इतना विकसित कर लोगे कि

अंधे होने पर भी ठीक वैसे ही काम कर सकोगे जैसे एक आखो वाला करता है

मुझे गर्व है तुम पर ।

सब आपकी मेहनत का फल है प्रोफेसर साहब । मुझे आज तक याद है वो दिन जब अन्धा हो जाने के बाद टूट चुका था मैं । तब आपने मुझसे कहा था...

हजारों शक्तियों का भण्डार है मनुष्य शरीर, प्राचीन काल के साधू-महात्मा इस बात का उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने शरीर में छिपे शक्ति के भण्डार को

योग और तप के बल पर जागृत किया और महान बन गये।

तुम्हें भी अपने शरीर में सोई सैकड़ों शक्तियों को जगाना है और दिखा देना है दुनिया को कि तुम अंधे होते हुए भी आंखों वालों से बढ़कर हो।

उस दिन आपकी बात को बहुत गम्भीरता से लिया था मैंने और अपनी तपस्या शुरू करने से पहले सोचा था कि

सूंघने में सूंघने की कला व शक्तियां है ?

क्यों चमगादड़ दिन में "अंधा" हो जाने के बाद भी देख सकता है ?...

सांप कैसे कान न होते हुए भी पहचान जाता है अपने दोस्त और दुश्मनों को

उस दिन की आपकी दी हुई शिक्षा और मेरी लगन की तपस्या एक उपलब्धि के रूप में रंग लाई है।

अब तो आप मुझे बनायेंगे ना कि तीन साल बेहोश रहने से पहले मैं क्या था? कौन हूं मैं? क्या है मेरा गुजरा हुआ कल

क्यों आज तक मुझे कोई नाम नहीं दिया गया बनाइये ना?

प्रतीक्षा करो तुम्हारे हर सवाल का जवाब तुम्हें जल्द ही मिलेगा।..

अभी बहुत सी परीक्षाओं से गुजरना है तुम्हें।

अब आराम करो मैं चलता हूं।

आज फिर तूफान सा छोड़ गये प्रोफेसर कैलाश वर्मा उस अनाथ के सीने में -

कौन हूं मैं? क्या नाम है मेरा?

घण्टो विचारो के साथ कुश्तियां लड़ने के बाद भी कुछ समझ नहीं आया उसको–

जब तक प्रोफेसर साहब मुझे नहीं बतायेंगे मेरी समझ मे कुछ नहीं आयेगा।

इसलिए बेहतर यही है कि सोया जाये।

आखें बन्द कर ली उसने–

कुछ लोगो के दबे पाव कमरे मे दाखिल होने की आवाज सुन रहा हूं मैं ..

लेकिन कुछ देर बाद ही खोल देनी पड़ी एक झटके से आंखें–

हाथों में हथियार लेकर

खतरे को भुगत लिया था उसने -

ANKUR'S UPLOAD

तभी तो अपनी जान बचाने में सफल हो पाया वह -

बच गया।

लेकिन अब नहीं बचेगा।

सर्रर्रर्र

इस बार से भी अपने आपको बचाने में सफल हुआ वह नौजवान

और सफल हुआ -

धाड़.

आह!

अपनी जान के दुश्मन को

धराशाई करने में

धड़ाम

धड़ाम

रूका वह तो तालियों ने किया उसका स्वागत -

पट-पट-प

वैलडन ! वैलडन !!

प्रोफेसर साहब !

इन सबको मैंने ही भेजा था । मैं देखना चाहता था कि तीन साल बेहोश रहने के बाद कहीं तुम अपनी कला तो नहीं भूल गये ।

क्यों किया आपने ये सब ?

क्या मक़सद है आपका?

क्राइम स्कूल को खत्म करने के लिए तैयार कर रहा हूं मैं तुम्हें।

क्राइम स्कूल!

क्या है ये क्राइम स्कूल?

जुर्म के पुजारियों की एक ऐसी संस्था जो देश विदेश से मासूम बच्चों का अपहरण करके अपने स्कूल में मंगाते हैं

- और फिर उन्हें देते हैं जुर्म करने की शिक्षा

.. दुनिया के हर हथियार को चलाना ..

"ड.ड.ड.ड."

.. जूडो - कराटे मार्शल आर्ट..

हत्या

चोरी डकैती-

BANK

... पॉलाटिकल मर्डर ..

राष्ट्रभक्त पार्टी

-अपराध करने के नये - नये आधुनिक तरीके.

.. हर चीज की ट्रेनिंग दी जाती है क्राइम स्कूल में और इतना सब कुछ सीख कर जब कोई मास्टर बड़ा होता है तो क्या बन जाता है

. क्राइम स्टूडेण्ट.

जाने क्या बात है कि किसी भी क्राइम स्टूडेण्टस ने आज तक क्राइम स्कूल से गद्दारी नहीं की है

जान हथेली पर रखकर चलते हैं ये क्राइम स्टूडेण्टस। जिस काम पर निकलें उसे बखूबी अंजाम देते हैं

...चारों तरफ कोहराम मचा रखा है उन्होंने. कैसे तूफान हैं क्राइम स्पेडेस्स जिन्हें रोकने के लिए मजबूत पहाड़ चाहिए.

और वो पहाड़ हो तुम।

मेरा दिल कहता है कि तुम ही क्राइम स्कूल की तबाही का कारण बनोगे

इसलिए मैंने तैयार किया है तुम्हें।

आपकी क्या दुश्मनी है क्राइम स्कूल वालों से.

वैसे तो इस देश का सच्चा नागरिक होने के नाते मुझे हर अपराध अपराधी से नफरत है, फिर भी एक पर्सनल कारण भी है

चलो मेरे साथ वह भी बताता हूं मैं तुम्हें.

प्रोफेसर उस नौजवान को अपने साथ लेकर चल दिये-

कहां ले जाना चाहते हैं प्रोफेसर साहब मुझे?

KING COMICS

DLA 01230

RAJ NAGAR MENTAL HOSPITAL

पागल खाना !

आओ !

ही...हा..हू..हू...

ये मेरी पत्नी है। जानते हो ये पागल क्यो हुई.

हमारे दो बच्चों को क्राइम स्कूल के एक दुर्दान्त स्टूडेण्ट ने मार डाला।

ओह।

...मा है ना ये अपने बच्चों की मौत का गम सहन सकी और पागल हो गई।

ही..ही..हः हः...

...लेकिन इस पागल खाने मे ये ही नहीं ना जाने कितने ऐसे पागल होगे जिन्हें पागल करने मे कहीं ना कहीं क्राइम स्कूल का हाथ होगा।

उफ। सचमुच शैतान है क्राइम स्कूल वाले

...उनको नेस्तनाबूत करने के लिए मैं अपनी जान लड़ा दूंगा प्रोफेसर साहब।

शाबाश। मुझे तुमसे यही उम्मीद थी।

आओ अब चले।

PUFF

दोनों बाहर की तरफ चल दिये -

इस बात से बेखबर कि उन्हें देखकर तोते उड़ गये थे किसी के हाथों के -

प्रोफेसर वर्मा अभी तक जिन्दा है

और उसके साथ वह नौजवान तो वही लग रहा है। इसका मतलब आज से तीन साल पहले उस बम ब्लास्ट में दोनों मरे नहीं थे...

.. मास्टर के लिये यह सूचना किसी बम के धमाके से कम साबित नहीं होगी।

राजनगर शहर से पचास किलोमीटर दूर स्थित यह पहाड़ी इलाका -

कोई नहीं जानता कि इन पहाड़ियों के नीचे बना है एक आधुनिक तहखाना-

जो हैडक्वार्टर है एक ऐसी संस्था का जो कहलाया जाता है ..

क्राइम स्कूल।

और इस क्राइम स्कूल के 'मास्टर' को सचमुच ऐसा लगा जैसे उसके कान के पास ही किसी ने बम फोड़ दिया हो -

CRIME SC

क्या बक रहे हो तुम ? ऐसा कैसे हो सकता है ?

मै सच कह रहा हू मास्टर। उन दोनो को अब भी अपनी आंखो से देख रहा हू ..

... वे दोनो अपनी कार मे बैठने ही जा रहे है।

1260

उनका पीछा करो बगेजा।

ओ. के मास्टर।

प्रोफेसर वर्मा की कार वापस शहर से बाहर स्थित फार्म हाउस की तरफ चल दी -

कुछ ही पलो बाद -

वे दोनों चार्म्स रोड पर बने एक फार्म हाउस पर हैं मास्टर।

ओ के. अब हम उसे देख लेंगे।

PUBLIC LINE

इधर फार्म हाउस में जैसे धमाका किया प्रोफेसरने यह कहकर -

खतरनाक क्राइम स्टूडेण्टो से टकराने के लिए तैयार हो जाओ...

... कुछ ही देर बाद यही पहुंचने वाले है वे ?

वे यहा आयेगे कैसे ?

अस्पताल से यहा तक एक नीली कार ने हमारा पीछा किया है मुझे पूरा विश्वास है हमारा पीछा करने वाला क्राइम स्कूल का ही कोई आदमी होगा।

आने दीजिये उनके लिए अंधी मौत बन जाऊंगा मैं।

अंधी मौत यानी ब्लाईन्ड डैथ।

बहुत अच्छा नाम है ये यही नाम देता हूं मैं तुम्हें

ब्लाईन्ड डैथ!

ठीक तभी वातावरण गूंज उठा टायरों के चिंघाड़ने की आवाजों से -

वे आ गये रेडी।

धड़ाक धड़ाक...

उन दोनों की सोच से पहले ही वहां पहुंचे जहाज और गोलियो-

धड़ाक

अन्दर घुसकर सम्भलने का भी सब्र नहीं कर पाया गोलियो -

प्रोफेसर को मौत देकर ले जायेंगे इस नौजवान को।

सें-सें-सें

बचिये प्रोफेसर साहब.

ओफ!

बेहद शानदार ढंग से मौत से प्रोफेसर को बचा लिया उसने-

लेकिन गोलियो के पास ऐसी मौतो की कमी कहां थी-

ऐसे कब तक बच सकोगे।

इस बार की मौत को तो हवा में ही लपक लिया ब्लाइण्ड डैथ ने -

और फिर-

ठीक गोलियो के थोबडे पर फटी वह "मौत" -

भाड़!

चीथड़े उड़ गये उसके थोबड़े के -

कहर बरस पड़ा जहाज़ के चेहरे पर अपने साथी की मौत देखकर -

अब तू मास्टर के पास नहीं खुदा के पास पहुंचेगा।

ब्लाइन्ड डैथ की सुनने की शक्ति ने स्वतः सतर्क कर डाला उसे -

हवा में लहराता कोई खतरनाक हथियार मेरी तरफ बढ़ रहा है। मुझे उससे...

...बचना आह !

खून की धारा बह निकली।

उस "हथियार" की गति का सही अन्दाजा नहीं हो पाया। मुझे अभी और विकसित करना होगा अपनी सुनने की शक्ति को।

...लेकिन फिलहाल तो होशियारी से काम लेना होगा क्योंकि वह हथियार फिर मेरी तरफ आ रहा है।

इस बार ब्लाईन्ड डैथ ने प्रदर्शन किया मजब की फुर्ती का-

लेकिन-

हा हा हा मेरा जहाज इतनी आसानी से तेरा पीछा नहीं छोड़ने वाला !

जहाज अब ठीक मेरे सिर के ऊपर है और सामने दीवार जिससे टकराकर सावुत नहीं बचेगा वह-

... इसलिए मुझे तेजी से जमीन पर लेट जाना चाहिए।

और दीवार से टकराकर "शहीद" हो गया-

धड़ाम

तुरन्त ही हरकत में आया जहाज़-

उससे पहले ही भड़ाक से आ टकराई एक किक ने फुटबाल बना दिया उसे -

आ

धड़ाक

जहाज़ अपना दूसरा जहाज इस्तेमाल कर पाता -

जहाज़ को यमराज और प्रोफेसर को मसीहा नजर आया दरवाजे पर खड़ा वह नकाबपोश -

क... कौन हो तुम ?

तुम्हारे क्राइम स्कूल का सताया हुआ एक इन्सान और...

...तुम्हारी मौत।

अचानक उसकी बुझती आंखों में लौटी जिन्दगी की रोशनी -

गोलीलो का गोला!

मौत ठीक सिर पर खड़ी नजर आई जहाज़ को -

जैसे बिल्ली चूहे पर झपटती है वैसे ही गोले पर झपटा जहाज़ -

फिर जैसे वहां आ गया धुएं का सैलाब -

धड़ाम

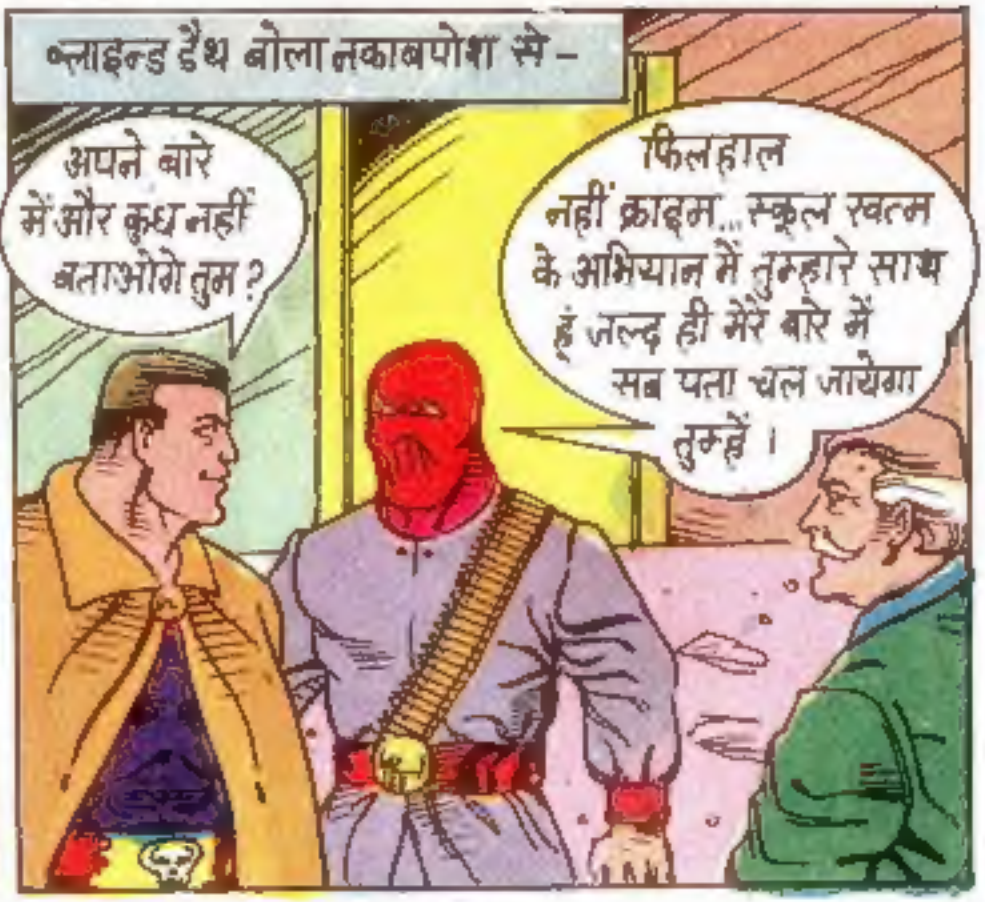

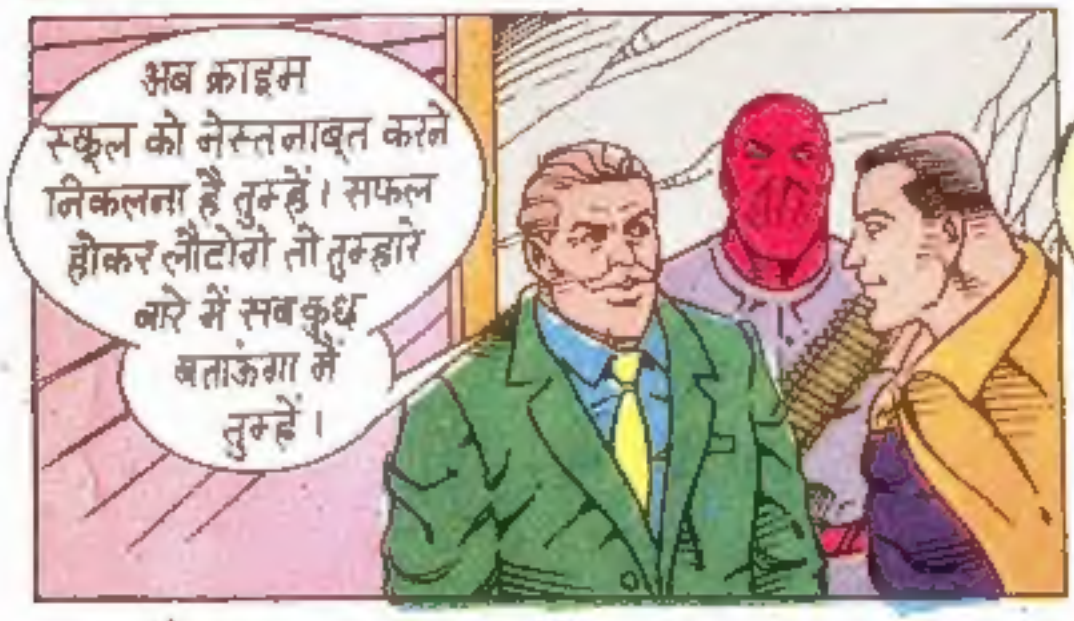

- कौन था वह शख्स जिसे प्रोफेसर ने बना डाला था ब्लाइन्ड डैथ ?
- क्या था उसका बीता हुआ कल ?
- कौन था वह नकाबपोश ? क्या दुश्मनी थी उसकी क्राइम स्कूल और उसके स्टूडेण्ट्स से ?
- और सबसे अहम सवाल था ब्लाइन्ड डैथ और नकाबपोश नेस्तनाबूत कर पाये...

क्राइम स्कूल

ब्लाइन्ड डैथ सीरीज का आगामी दिल दहला देने वाला कॉमिक्स –

If U like This Comics plz Buy it